भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4148** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

सागरमाला कार्यक्रम

†4148 श्री मितेश पटेल (बकाभाई) :

श्री परषोत्तमभाई रुपाला :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में, विशेषकर नौका टर्मिनलों के विकास और स्थानीय परिवहन और व्यापार में सुधार लाने में भूमिका के संबंध में सागरमाला कार्यक्रम परियोजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति और प्रभाव क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

भारत की 7,500 कि.मी. लंबी तटरेखा, 14,500 कि.मी. संभाव्य नौचालन जलमार्गों तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों पर सामरिक अवस्थान का उपयोग करते हुए देश में पत्तन- आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की फ्लैग शिप कार्यक्रम है। सागरमाला कार्यक्रम के तहत परियोजनाओं को पांच स्तंभों- पत्तन आधुनिकीकरण, पत्तन संपर्कता, पत्तन आधारित औद्योगिकीकरण, तटीय सामुदायिक विकास तथा तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जल परिवहन में वर्गीकृत किया गया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में राष्ट्रीय जलमार्गों पर अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्लयूटी) अवसंरचना के विकास के लिए सागरमाला कार्यक्रम के तहत 763 करोड़ रु. की कुल लागत पर 6 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। आईडब्लयूटी परियोजनाओं के ब्यौरे संलग्न है।

[अनुबंध-I]

इसके अतिरिक्त, सागरमाला योजना के तहत 645.56 करोड़ रु. के कुल परिव्यय सहित 100% वित्तीय सहायता हेतु पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा, राष्ट्रीय जलमार्गों और संपर्कता से संबंधित अवसंरचना को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग- 2 के साथ आठ छोटे टर्मिनल और दो स्लीपवे के विकास के लिए असम सरकार के प्रस्ताव को, सैद्धांतिक रूप से सहमति दी गई है।

संपर्कता में वृद्धि, आर्थिक गतिविधि को समर्थन तथा क्षेत्रीय विकास में योगदान के द्वारा स्थानीय परिवहन नेटवर्कों में सुधार तथा व्यापार को बढ़ाने में फेरी टर्मिनल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संवहनीय परिवहन विकल्पों के रूप में, ये भीड़-भाड़ को कम करने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा हरित विकल्पों में मदद कर सकते है।

अनुबंध-I

क्रम सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1.	असम में रा.ज.-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) का व्यापक विकास	461
2.	संपूर्ण रा.ज.-2 पर पांडु में मल्टी मॉडल टर्मिनल	103
3.	संपूर्ण रा.ज.-2 पर डुबरी में इंटर मॉडल टर्मिनल	48
4.	संपूर्ण रा.ज.-16 पर बदरपुर में इंटर मॉडल टर्मिनल	3
5.	संपूर्ण रा.ज.-16 पर करीमगंज में इंटर मॉडल टर्मिनल	3
6.	रा.ज.-16 (बराक नदी) तथा भारत बांग्ला देश मार्ग के भारतीय भाग का व्यापक विकास	145

*****